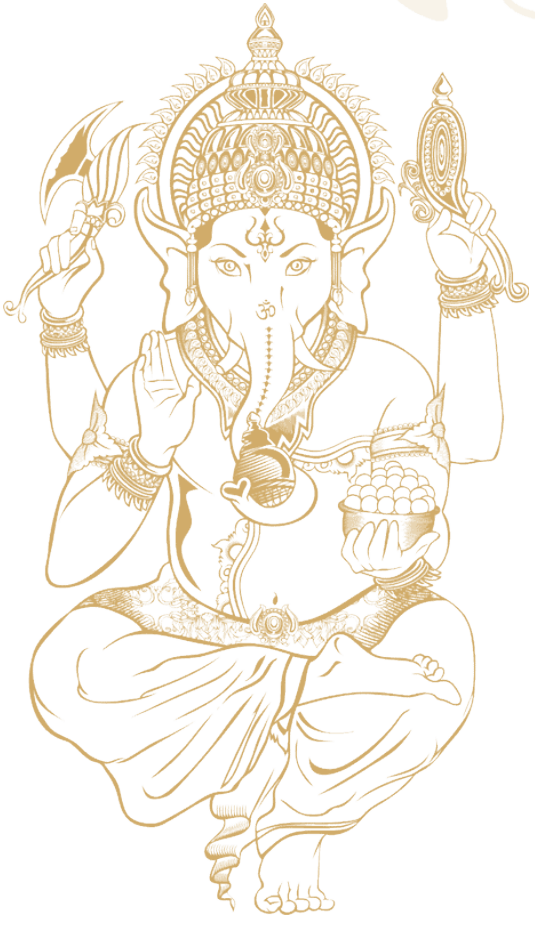

# Anugrah Singh

27 Jul 1996

06:05 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121545004

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **27/07/1996** |
| दिन | शनिवार |
| **जन्म समय** | **06:05:00 घंटे** |
| इष्ट | 01:55:57 घटी |
| **स्थान** | **Gorakhpur** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:45:00 उत्तर |
| रेखांश | 83:23:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:03:32 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 06:08:32 घंटे |
| वेलान्तर | -00:06:29 घंटे |
| साम्पातिक काल | 02:28:26 घंटे |
| सूर्योदय | 05:18:37 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:46:53 घंटे |
| दिनमान | 13:28:16 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 10:27:31 कर्क |
| लग्न के अंश | 19:35:11 कर्क |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कर्क - चन्द्र |
| **राशि-स्वामी** | **वृश्चिक - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **ज्येष्ठा - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | बुध |
| योग | ब्रह्म |
| करण | विष्टि |
| गण | राक्षस |
| योनि | मृग |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | कीटक |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | या-यतीन्द्र |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कर्क | 19:35:11 | 311:14:36 | आश्लेषा | 1 | 9 | चंद्र | बुध | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | कर्क | 10:27:31 | 00:57:19 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | सूर्य | मित्र राशि |
| चंद्र | | | वृश्चि | 22:17:36 | 14:29:02 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | चंद्र | नीच राशि |
| मंगल | | | मिथु | 07:01:59 | 00:40:23 | आर्द्रा | 1 | 6 | बुध | राहु | राहु | शत्रु राशि |
| बुध | | | कर्क | 26:37:00 | 01:46:26 | आश्लेषा | 3 | 9 | चंद्र | बुध | गुरु | शत्रु राशि |
| गुरु | व | | धनु | 16:13:27 | 00:06:23 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | चंद्र | स्वराशि |
| शुक्र | | | वृष | 27:34:28 | 00:40:55 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | गुरु | स्वराशि |
| शनि | व | | मीन | 13:32:02 | 00:00:50 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | सम राशि |
| राहु | व | | कन्या | 16:39:12 | 00:06:31 | हस्त | 2 | 13 | बुध | चंद्र | शनि | मूलत्रिकोण |
| केतु | व | | मीन | 16:39:12 | 00:06:31 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | गुरु | मूलत्रिकोण |
| हर्ष | व | | मक | 08:43:34 | 00:02:24 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| नेप | व | | मक | 02:19:52 | 00:01:36 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | गुरु | --- |
| प्लूटो | व | | वृश्चि | 06:34:52 | 00:00:28 | अनुराधा | 1 | 17 | मंगल | शनि | बुध | --- |
| दशम भाव | | | मेष | 15:41:56 | -- | भरणी | -- | 2 | मंगल | शुक्र | सूर्य | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:37

## लग्न-चलित

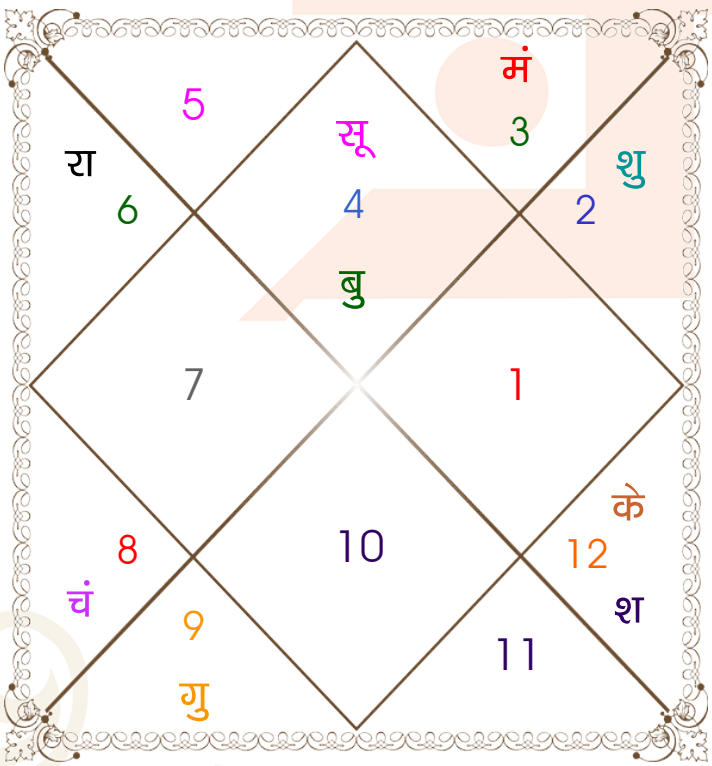


## चन्द्र कुंडली

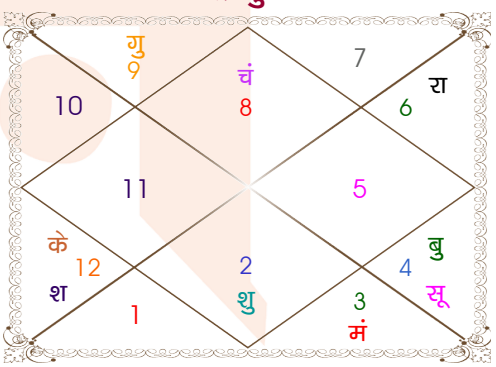


## नवमांश कुंडली

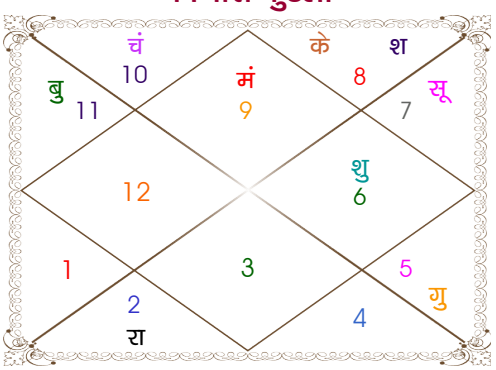

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 9 मास 27 दिन

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 27/07/1996 | | 25/05/2006 | | 25/05/2013 | | 25/05/2033 | | 25/05/2039 | |
| 25/05/2006 | | 25/05/2013 | | 25/05/2033 | | 25/05/2039 | | 25/05/2049 | |
| | 00/00/0000 | केतु | 21/10/2006 | शुक्र | 23/09/2016 | सूर्य | 11/09/2033 | चंद्र | 24/03/2040 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 21/12/2007 | सूर्य | 23/09/2017 | चंद्र | 13/03/2034 | मंगल | 23/10/2040 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 27/04/2008 | चंद्र | 25/05/2019 | मंगल | 19/07/2034 | राहु | 24/04/2042 |
| | 27/07/1996 | चंद्र | 26/11/2008 | मंगल | 24/07/2020 | राहु | 12/06/2035 | गुरु | 24/08/2043 |
| चंद्र | 23/11/1997 | मंगल | 24/04/2009 | राहु | 25/07/2023 | गुरु | 30/03/2036 | शनि | 25/03/2045 |
| मंगल | 20/11/1998 | राहु | 13/05/2010 | गुरु | 25/03/2026 | शनि | 12/03/2037 | बुध | 24/08/2046 |
| राहु | 09/06/2001 | गुरु | 18/04/2011 | शनि | 25/05/2029 | बुध | 17/01/2038 | केतु | 25/03/2047 |
| गुरु | 15/09/2003 | शनि | 27/05/2012 | बुध | 24/03/2032 | केतु | 25/05/2038 | शुक्र | 23/11/2048 |
| शनि | 25/05/2006 | बुध | 25/05/2013 | केतु | 25/05/2033 | शुक्र | 25/05/2039 | सूर्य | 25/05/2049 |

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 25/05/2049 | | 24/05/2056 | | 25/05/2074 | | 25/05/2090 | | 26/05/2109 | |
| 24/05/2056 | | 25/05/2074 | | 25/05/2090 | | 26/05/2109 | | 00/00/0000 | |
| मंगल | 21/10/2049 | राहु | 04/02/2059 | गुरु | 12/07/2076 | शनि | 28/05/2093 | बुध | 22/10/2111 |
| राहु | 08/11/2050 | गुरु | 30/06/2061 | शनि | 23/01/2079 | बुध | 05/02/2096 | केतु | 18/10/2112 |
| गुरु | 15/10/2051 | शनि | 06/05/2064 | बुध | 30/04/2081 | केतु | 15/03/2097 | शुक्र | 19/08/2115 |
| शनि | 23/11/2052 | बुध | 23/11/2066 | केतु | 06/04/2082 | शुक्र | 16/05/2100 | सूर्य | 25/06/2116 |
| बुध | 20/11/2053 | केतु | 12/12/2067 | शुक्र | 05/12/2084 | सूर्य | 28/04/2101 | चंद्र | 28/07/2116 |
| केतु | 18/04/2054 | शुक्र | 12/12/2070 | सूर्य | 23/09/2085 | चंद्र | 27/11/2102 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 18/06/2055 | सूर्य | 05/11/2071 | चंद्र | 23/01/2087 | मंगल | 06/01/2104 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 24/10/2055 | चंद्र | 06/05/2073 | मंगल | 30/12/2087 | राहु | 12/11/2106 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 24/05/2056 | मंगल | 25/05/2074 | राहु | 25/05/2090 | गुरु | 26/05/2109 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।